Date
Page

Homework →

(1) अतिथि तुम कब जाओगे पाठ का मूल उद्देश्य क्या है? अपने भाषा में गृहकार्य कॉपी में लिखिए?

Ans → 'तुम कब जाओगे, अतिथि' व्यंग्यात्मक कहानी के माध्यम से लेखक 'शरद जोशी' ये शिक्षा देना चाहते हैं, अतिथि को किसी के घर अधिक समय नहीं रुकना चाहिये। हमारी संस्कृति में 'अतिथि देवो भवः' के संस्कार हमें दिये गये हैं, लेकिन आज महानगरीय जीवन में जहां एक मध्यमवर्गीय व्यक्ति को अपनी दैनिक जरूरतों के लिये कड़ा संघर्ष करना पड़ता है, धन व समय का अभाव हर समय ~~का अभाव~~ रहता है और ऐसे में कोई मेहमान घर पर आकर लंबे समय तक टिक जाए तो वो अतिथि भगवान नहीं राक्षस के समान लगने लगता है। लेखक ये कहना चाहते हैं कि हम भी यदि किसी के घर जाये तो ज़्यादा समय तक रहकर किसी को तकलीफ न दें। आज की दौड़ती - भागती ज़िंदगी में किसी के पास इतना समय और धन नहीं है, कि वो लंबे समय तक आप की आवभगत कर सकें।